ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26127951, 26123680,
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 17 अंक – 68 अक्टूबर–दिसंबर 2013

इस अंक में

1. इरिसेन दिवस समारोह
2. प्लैटिनम रेटिंग ग्रीन बिल्डिंग
3. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
4. नए भवन की गतिविधियां
5. मुख्य इंजीनियर ट्रैक मशीन का सेमिनार
6 सतर्कता जागरूकता सप्ताह
7. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
8. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति
9. स्वागत/विदाई
10. श्रद्धांजली

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से नव वर्ष २०१४ की हार्दिक शुभकामनाएं!

ज्ञानदीप के १७वें वर्ष का यह आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। वर्ष 2013 अपनी रफ्तार से आखिरी पड़ाव पर आकर वर्ष 2014 को अपने प्रस्थान की सूचना तो दे ही रहा है साथ ही साथ वर्ष 2013 की उपलब्धियों एवं समीक्षात्मक रिपोर्ट देने को भी तत्पर हो रहा है। वर्ष 2013 का आरंभ संस्थान के लिए स्वर्णिम रहा। 18 जनवरी 2013 को सदस्य इंजीनियरी के हाथों संस्थान के अपने ग्रीन बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ। संपूर्ण भारतीय रेल पर पर्यावरण के अनुकूल प्लैटिनम रेटिंग प्राप्त यह एकमात्र भवन है। उसी क्रम में 28 जनवरी, 2013 को पुराने भवन परिसर में सीनियर एवं जूनियर सेक्शन इंजीनियरों के लिए तत्कालीन महाप्रबंधक, मध्य रेल ने रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान की आधार शिला रखी। 01 नवंबर,2013 से इरिसेन अपने नए भवन में शिफ्ट हो चुका है और अब दोहरे उत्तरदायित्व के वहन के लिए तैयार है। एक तरफ वह पहले से ही रेल के सिविल इंजीनियरी अधिकारियों को अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण दे रहा है तो दूसरी तरफ रेलपथ के रख-रखाव के लिए जिम्मेदार सीनियर एवं जूनियर सेक्शन इंजीनियरों को भी अव्वल श्रेणी की तकनीकी सुविधाओं सहित अत्याधुनिक प्रशिक्षण की तैयारी कर रहा है ।

वर्ष 2013 में गणतंत्र दिवस, स्थापना दिवस, रेल सप्ताह, स्वतंत्रता दिवस, राजभाषा सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं दीक्षा समारोह के साथ-साथ इरिसेन दिवस जैसे कई भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान में कई प्रोत्साहन योजनाओं चलाई जा रही हैं जिनमें से एक कर्मचारियों को भाषा/कंप्यूटर टायपिंग/आशुलिपि में प्रशिक्षित कराना है तथा दूसरा राजभाषा सप्ताह के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाना है। सीमित संसाधनों के बावजूद इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संस्थान के कर्मचारी और अधिकारीगण बधाई के पात्र हैं ।

संस्थान में भिन्न-भिन्न विषयों पर 72 पाठ्यक्रम एवं 6 सेमिनार आयोजित किए गए, इनमें 1384 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। तकनीकी ज्ञान अद्यतन हेतु संकाय विदेशी दौरे पर गए तथा उनके द्वारा अर्जित ज्ञान से प्रशिक्षण को उन्नत/विश्व स्तरीय बनाने में मदद मिली। संस्थान की सभी छोटी बड़ी गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा ज्ञानदीप' सूचना-पत्र के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। हमारी आकांक्षा यही रहती है कि हम नित नए-नए शिखरों तक पहुंचने का सतत प्रयास करते रहें और आपको इसके बारे में सूचित करते रहें। आपके सहयोग, आपकी प्रतिक्रिया एवं आपके अमूल्य सुझाव का हमें सदैव से इंतजार रहेगा... मुख्य संपादक

1. इरिसेन दिवस समारोह



मंच पर श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरी, रे.बो. के साथ बायीं ओर श्री बी.पी. खरे, महाप्रबंधक, मध्य रेल एवं दायीं ओर श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन

दिनांक 01 नवंबर, 2013 को इरिसेन की नई ग्रीन बिल्डिंग में इरिसेन दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन सचिव माननीय श्री सुबोध जैन ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके साथ मंच पर श्री बी. पी. खरे, महाप्रबंधक, मध्य रेल एवं श्री सी.पी.तायल, निदेशक इरिसेन उपस्थित थे।

माननीय श्री जी.एन.फड़के, रिटायर्ड महाप्रबंधक(नि.), श्री विनोद कुमार, रिटायर्ड महाप्रबंधक, मेट्रो रेल, कोलकाता, श्री डी.एन.माथुर, रिटायर्ड महाप्रबंधक, श्रीमती सुनीता अवस्थी, रिटायर्ड अपर सदस्य बजट,रेलवे बोर्ड, श्री वाइ.जी.पटवर्धन, रिटायर्ड मुख्य इंजी. पश्चिम रेल एवं इरिसेन के पूर्व निदेशक, श्री एच.के.जगी, सलाहकार (भूमि एवं सुख–सुविधाएं) रेलवे बोर्ड, श्री पी.के.सक्सेना, प्रधान मुख्य इंजी., मध्य रेल, श्री एम.के.गुप्ता, मुख्य प्रशा.अधिकारी (नि.),मध्य रेल, श्री सुनीत शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक पुणे एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं रिटायर्ड अधिकारी उपस्थित थे।

श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने सदस्य इंजीनियरी के साथ उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। श्री तायल ने कहा कि हमारे लिए यह बहुत ही सुखद सुबह है जब हम इस नए ग्रीन बिल्डिंग में 'इरिसेन दिवस' मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं श्री जैन का

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान के लिए कोरेगांव पार्क
स्थित नवनिर्मित ग्रीन बिल्डिंग

विशेष आभारी हूं जिन्होंने जीएम के पद पर रहते हुए इस बिल्डिंग को बनाने में अपनी खास रूचि दिखाई। आप हमारे मार्गदर्शक रहे हैं। आपके बुलंद इरादों की बदौलत भारतीय रेल नित नई उंचाइयों पर जा रहा है। श्री तायल ने महाप्रबंधक, मध्य रेल श्री बी.पी खरे और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मध्य रेल श्री एम.के. गुप्ता के योगदान की भी जमकर सराहना की।



श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरी, रे.बो. ने महाप्रबंधक, मध्य रेल श्री बी.पी. खरे, श्री एच.के.जग्गी,
सलाहकार (भू.एवं सु.) रेलवे बोर्ड, श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन, श्री एम.के.गुप्ता, मु.प्र.अ.(नि.),
मध्य रेल एवं अन्य गणमान्य की उपस्थिति में दिनांक 01.12.2013 को
इरिसेन की गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ किया

श्री बी.पी. खरे, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इरिसेन के इस प्लैटिनम रेटिंग वाले ग्रीन बिल्डिंग में आयोजित वार्षिकोत्सव में उपस्थित हूं और अपने आपको बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं 1977 में इरिसेन के अपने प्रशिक्षण को याद कर रहा हूं। समय के साथ-साथ इसमें बहुत बदलाव आया है। तकनीकी क्षेत्र में भी रेल की बहुत उन्नति हो गई है। आज जब हम ट्रैक टेक्नालॉजी को देखते हैं तो इस बदलाव एवं उन्नति को महसूस करते हैं। इरिसेन इस प्रकार के आधुनिक तकनीक के प्रशिक्षण में अग्रणी रहा है। आपने 1987 बैच के सम्मानित अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आगे आने वाले भविष्य में ये अधिकारी तकनीकी उन्नति और परिवर्तन में अपना भरपूर योगदान देंगे।

श्री सुबोध जैन, रेलवे बोर्ड ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। इरिसेन के कार्यकलापों के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए अपने संबोधन में उन्होंने इस संस्थान की शिवाजी नगर से प्रारंभ हुई यात्रा से आज तक के सफर को बताते हुए खुशी जाहिर की, कि आखिरकार इस संस्थान को ग्रीन बिल्डिंग के रूप में अपना आधार मिल गया। उन्होंने



भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान के नवनिर्मित ग्रीन बिल्डिंग में श्री सुबोध जैन,
स.इंजी.,रे.बो., वृक्षारोपण करते हुए

बताया कि इस अनथक प्रयास में बहुत लोगों का परिश्रम सम्मिलित है। यह बिल्डिंग विश्वस्तरीय निर्माण का द्योतक है। हमारे लिए यह प्रशिक्षण का मंदिर है। गुणवत्ता एवं मूल्य आधारित इस भवन को IGBC हैदराबाद द्वारा 61 प्रतिशत रेटिंग मिला है और यह महाराष्ट्र का पहला ऐसा बिल्डिंग है। पहले इस प्रकार की रेटिंग US में होती थी अब यह



श्री सुबोध जैन, स.इंजी.,रे.बो., निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल को 'प्लैटिनम रेटिंग डिस्क''
प्रदान करते हुए साथ में हैं म.प्र., म.रे. श्री बी.पी.खरे

सुविधा हैदराबाद में उपलब्ध हो गई है। श्री जैन ने संस्थान के निदेशक श्री सी.पी.तायल को 'प्लैटिनम रेटिंग डिस्क' प्रदान की। आपने अपने समक्ष उपस्थित सदस्यों से कहा कि जीवन एक यात्रा है और यह यात्रा अनुयायियों की तरह सतत अग्रसर होने को प्रयत्नशील होनी चाहिए। भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है और इस संस्कृति को बनाए और संवारे रखने में इंजीनियरी विभाग का भी विशेष योगदान है। आपने बताया कि आनेवाला समय कठिन एवं प्रतिस्पर्धात्मक होगा। हर क्षेत्र में मांगे बहुत अधिक होंगी और इनसे निपटने में हमें अपने युवा अधिकारियों को सक्षम बनाना होगा। सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड ने मध्य रेल के महाप्रबंधक की सहायता की प्रशंसा की तथा मध्य रेल के निर्माण विभाग के योगदान की विशेष रुप से सराहना की। जिन्होंने खास रुचि लेकर इस सपने को साकार किया और इस दिन को एक ऐतिहासिक दिन बना दिया।

123 वर्ष पूर्व भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा की शानदार शुरूआत को चिन्हित कर 01 नवंबर को पूरे भारतीय रेल पर भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों द्वारा IRSE दिन के रुप में मनाया जाता है। इरिसेन दिवस को IRSE दिन के साथ इसीलिए जोड़ा गया है क्योंकि IRSE अधिकारियों के लिए इरिसेन उनका अपना संस्थान है। 'इरिसेन दिवस' के इसी शुभ अवसर पर श्री सुबोध जैन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने श्री पी. के. गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-2 द्वारा लिखित पुस्तक ''यूएसएफडी टेस्टिंग ऑफ रेल्स ऐंड वेल्ड्स'' का विमोचन किया। श्री बी.पी.खरे, महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा ''इरिसेन जनरल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग'' का विमोचन किया गया। तत्पश्चात 29 तकनीकी पुस्तकों की समेकित सीडी का विमोचन भी सदस्य इंजीनियरिंग द्वारा किया गया।



श्री सुबोध जैन, स.इंजी.,रे.बो., श्री पी.के.गर्ग, व.प्र.रे.प.-2 द्वारा लिखित पुस्तक यूएसएफडी टेस्टिंग ऑफ
रेल्स ऐंड वेल्ड्स का विमोचन किया साथ में हैं निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल, म.प्र.,म.रे.श्री बी.पी.खरे

श्री जैन ने 1986 बैच के भा.रे.इं.से. अधिकारियों द्वारा ''कार्यसंपादन में सुधार के अनुभवों का आदान-प्रदान'' विषय पर आयोजित सेमिनार के बुकलेट का विमोचन किया। सेमिनार में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1986 बैच के अधिकारियों ने इंजीनियरिंग विभाग के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण तथा वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप विषय पर तकनीकी पेपर भी प्रस्तुत किए।

दिनांक 31 अक्टूबर, 2013 को इरिसेन दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों के सौजन्य से एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री एच.के.जग्गी, सलाहकार (भूमि एवं सुख-सुविधाएं), रेलवे बोर्ड



भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रम का दृश्य

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन एवं संस्थान के सभी संकाय के साथ श्री बी.पी.खरे, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री पी.के.सक्सेना, प्रधान मुख्य इंजी., मध्य रेल, श्री एम.के.गुप्ता, मुख्य प्रशा.अधिकारी (नि.), मध्य रेल, श्री सुनीत शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक पुणे तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की खूब सराहना की।

2. प्लैटिनम रेटिंग ग्रीन बिल्डिंग



'प्लैटिनम रेटिंग डिस्क' एवं प्रमाण–पत्र से सुसज्जित ग्रीन बिल्डिंग

इरिसेन के नवनिर्मित भवन को IGBC हैदराबाद द्वारा 'प्लैटिनम रेटिंग डिस्क' एवं 'प्रमाण–पत्र' प्राप्त हुआ है। यह महाराष्ट्र राज्य का पहला ऐसा बिल्डिंग है जिसे ६१ प्रतिशत रेटिंग के साथ प्लैटिनम रेटिंग प्राप्त हुआ है। इरिसेन के लिए यह गर्व की बात है। इस प्रकार की रेटिंग पहले US में होती थी परंतु अब यह सुविधा हैदराबाद में उपलब्ध है। इस बिल्डिंग का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक द्वारा पर्यावरण के अनुकूल हुआ है।

3. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान

हर वर्ष, संस्थान के स्थापना दिवस पर, IRSE Probationery अधिकारी को प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, ट्रॉफी तथा शील्ड प्रदान किए जाते हैं। 56वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2009 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है :–

उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक / Best Probationer Medal – यह स्वर्ण पदक रेलवे बोर्ड द्वारा स्थापित किया गया है। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में संस्थान में आयोजित पाठ्यक्रमों, फील्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2009 बैच की श्रीमती रे.वी.अनुषा, सहायक कार्यकारी इंजीनियर /निर्माण /डिजाइन, उत्तरी सीमांत रेल को उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक से सम्मानित किया गया।

आर.के.जैन रोलिंग शील्ड – यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री आर.के.जैन, के सम्मान में स्थापित की गई है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है।

इरकॉन स्वर्ण पदक – यह स्वर्ण पदक इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। यह मेडल पूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2009 बैच के श्री प्रीतिराज पाणिग्रही, सहायक मंडल इंजीनियर, लक्ष्मीपुर रोड, पूर्व तटीय रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर.के ;जैन रोलिंग शील्ड एवं इरकॉन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।



श्री सुबोध जैन, सद. इंजी. रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्री प्रीतिराज पाणिग्रही,
स.मं.इंजीलक्ष्मीपुर रोड, पूर्व तटीय रेल को ट्राफी प्रदान करते हुए

वी.के.जे. राणे, रोलिंग ट्रॉफी – यह ट्रॉफी श्री वी.के.जे.राणे, पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर इरकॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में यह Leadership, Sports और Cultural क्रिया–कलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2009 बैच के श्री कन्हैया गोयल, सहायक मंडल इंजीनियर, नागपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेल को वी.के.जे. राणे, रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।



श्री सुबोध जैन, सद.इंजी., रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्री कन्हैया गोयल,
स.मं.इंजी. नागपुर, द..पू.म.रेल को ट्राफी प्रदान करते हुए

आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी – यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2009 बैच की श्रीमती एस. रथी, सहायक मंडल इंजीनियर, इरोड, दक्षिण रेल को आलोक जैन मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।



श्री सुबोध जैन, सद.इंजी., रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्रीमती एस.रथी, स.मं.इंजी.,
इरोड, दक्षिण रेल को ट्राफी प्रदान करते हुए

समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा 1987 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह तथा वर्ष 2013 में सम्पन्न समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ठ प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल भी प्रदान किए गए।

4. नए भवन की गतिविधियां



श्री सी.पी.तायल,निदेशक, इरिसेन नए क्लास के शुभारंभ के अवसर पर रिबन काटते हुए

दिनांक 01 नवंबर, 2013 को इरिसेन की गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड के कर कमलों द्वारा किया गया। तदुपरांत दिनांक 18.11.2013 को सत्र सं. 13417 – ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाइड एसओआर एवं आइआरपीएसएम पर पांच दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम का शुभारंभ नए भवन के नवीनतम क्लासरूम में निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल के कर कमलों द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न रेलों के कुल 21 अधिकारी उपस्थित हुए।

5. मुख्य इंजीनियर/ ट्रैक मशीन का सेमिनार



इरिसेन के नवनिर्मित भवन के कांन्फ्रेंस हॉल में मुख्य इंजीनियर/ ट्रैक मशीन के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 05 एवं 06 नवंबर, 2013 को इरिसेन में मुख्य इंजीनियर, ट्रैक मशीन के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री राजेंद्र सक्सेना, वरिष्ठ प्राध्यापक/इंजीनियरी, इरिसेन ने स्वागत भाषण दिया। कार्यकारी इंजीनियर, ट्रैक मशीन, रेलवे बोर्ड ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया तथा कार्यसूची की मदों पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय रेल की ट्रैक मशीन की प्रगति एवं नीति की समीक्षा पर प्रजेंटेशन दिए। व.प्रा/पु– 2 इरिसेन ने ट्रैक मशीन के TMC मॉड्युल पर प्रजेंटेशन दिया। वंदना इंटरनेशनल लि., मेसर्स फुलटास हास्कों, मेसर्स खेमका टेक्निकल सर्विस प्रा.लि. /आरपीएम/रसिया, मसर्स क्युमिन्स इंडिया लि., मेसर्स प्लाजर एवं थेउर लि., साउथ कोलकाता डीजल लि. तथा मेसर्स ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड द्वारा प्रजेंटेशन दिए गए। मुख्य इंजीनियर/ ट्रैक मशीन, द्वारा प्रजेंटेशन दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की खूब प्रशंसा की गई।

6. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारतीय रेल पर दिनांक 28 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2013 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर संस्थान में दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 को 11.00 बजे कर्तव्य के प्रति जागरुकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा सम्मेलन कक्ष में, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं परिवीक्षार्थियों ने कक्षाओं में तथा कर्मचारियों ने संस्थान के प्रांगण में शपथ ग्रहण की ।

7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	14001	आईआरएसई चरण–1(ग्रुप पी) 2011 परीक्षा परिवीक्षार्थी पाठ्यक्रम	06/01/14	21/02/14
2	14002	आईआरएसई चरण–1(ग्रुप क्यू) 2011 परीक्षा परिवीक्षार्थी पाठ्यक्रम	03/03/14	17/04/14
3	14101	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	03/02/14	17/04/14
4	14401	प्वाइंट एंड क्रॉसिंग बिछाने यार्ड की प्लानिंग एवं एमएक्स रेल का उपयोग कर ट्रैक डिजाइन पर विशेष पाठ्यक्रम	10/02/13	14/04/14
5	14402	ओपेन लाईन के कवे/ववे अधिकारियों के लिए टीएमएस पर विशेष पाठ्यक्रम	17/02/14	21/02/14
6	14701	आईआरटीएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	20/01/14	24/01/14
7	14702	आईआरएसईई के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	27/01/14	31/01/14
8	14703	आईआरएसएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	24/02/14	28/02/14

8. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति



संस्थान में कार्यरत गुमशुदा श्री युवराज दामू, वरिष्ठ खलासी के स्थान पर उनकी पुत्री प्रिया युवराज की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर खलासी के रुप में हो गई है। कुमारी प्रिया ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2013 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

9. स्वागत/बिदाई

स्वागत



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 1988 बैच के श्री चन्द्र शेखर शर्मा ने 08 अक्टूबर, 2013 को इरिसेन में वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–2 का पदभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मध्य रेल पर मुख्य इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। आपने जोधपुर विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री ली है। आपने IIT मुंबई से स्ट्रक्चर्स में एमटेक की उपाधि प्राप्त की है। आपने रेल सेवा में अपने कैरिअर की शुरूआत दक्षिण रेल पर चेन्नई मंडल के अरक्कोणम में सहायक इंजीनियर के रूप में की। आप दक्षिण रेल पर तत्कालीन बैंगलोर मंडल एवं पालघाट मंडल पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) का पदभार संभाल चुके हैं। दक्षिण रेल के मुख्यालय में उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में भी आपने कार्यभार संभाला है। आपको वर्ष 1998 एवं वर्ष 2004 में महाप्रबंधक पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। कोंकण रेल पर पांच वर्षों तक आप महाप्रबंधक के पद पर पदासीन रहे और उस दौरान आपके द्वारा इजाद की गई ट्रैक स्विचिंग सिस्टम की डिजाइन पर दो पेटेंट UK द्वारा मंजूर किए गए। भारत में यह पेटेंट मंजूरी हेतु विचाराधीन है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

विदाई



श्री दीपक गोपाल जोशी, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक, पुणे का स्थानांतरण मंडल वित्त प्रबंधक के पद पर मुंबई मंडल, मध्य रेल के दादर कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर हुआ है। आपने संस्थान में लगभग दो वर्षों तक कार्य किया है । दिनांक 27 दिसंबर, 2013 को आपको संस्थान के कार्यभार से भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

स्वागत



डीजल शेड, घारेपड़ी के तकनीशियन – III, श्री पराग वासुदेव वीरगांवकर का इरिसेन में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण हो गया है। इसके पहले आप डीजल शेड घोरपड़ी में तकनीशियन III के पद पर कार्यरत थे। 18 अक्टूबर, 2013 को श्री वीरगांवकर ने संस्थान में कनिष्ठ तकनीकी सहायक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

10. श्रद्धांजली



सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य इंजीनियर, पश्चिम रेल श्री वाई.जी.पटवर्द्धन का पुणे में दिनांक 25.12.2013 को निधन हो गया । श्री पटवर्द्धन वर्ष 1979 से 1984 तक भारतीय रेल उन्नत रेलपथ प्रौद्योगिकी (इरिएट) व वर्तमान इरिसेन, पुणे के प्रिंसिपल रह चुके थे। उनके देहावसान पर इरिसेन परिवार अपनी संवेदना प्रकट करता है एवं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना करता है।



श्रीमती गायत्री एस. नायक, निजी सचिव, ग्रेड –2 का 31 अक्टूबर, 2013 को कैंसर की लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया। श्रीमती गायत्री के निधन से इरिसेन परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है। श्रीमती गायत्री ने 1985 से रेल सेवा प्रारंभ की एवं सहा. इंजी.(अनुरक्षण) पुणे के कार्यालय से स्थानांतरित होकर कनिष्ठ टाइपिस्ट के रूप में 20 जून, 1991 में इरिसेन, पुणे में आईं। वर्ष 1993 में वे कनिष्ठ आशुलिपिक का कार्य संभालने के उपरांत अक्टूबर, 2013 तक वरिष्ठ आशुलिपिक, वैयक्तिक सहायक, निजी सचिव ग्रेड –2 के पदों पर लगभग 25 वर्षों तक बड़ी तत्परता एवं लगन से इरिसेन की सेवा की। सेवा के प्रति उनकी ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा अविस्मरणीय रहेगी। उनके देहावसान पर दुखद इरिसेन परिवार उनको श्रद्धासुमन अर्पित करता है एवं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना करता है।

अपने भीतर सब्र का एक बीज डालिए, उसे फलने फूलने का मौका दीजिए। पाएंगे कि आत्मा पहले से अधिक पोषित हो गई है। दुनिया नित नई लगेगी। बस, पहचानने के लिए भी सब्र रखना होगा और आप केवल खुशियां ही खुशियां बांटेंगे।

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित